ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्विद्यालय
कानपूर, उत्तर प्रदेश

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 05-12-2025

मथुरा(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-12-05 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-12-06	2025-12-07	2025-12-08	2025-12-09	2025-12-10
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	24.0	26.0	27.0	27.0	26.0
न्यूनतम तापमान(से.)	8.0	10.0	11.0	11.0	10.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	66	64	64	67	69
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	33	35	35	34	32
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	10	12	12	11
पवन दिशा (डिग्री)	318	296	311	307	302
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	3	3	0	0
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, दूसरे व तीसरे दिन बादल छाए रहेंगे तथा शेष दिन आसमान साफ रहेगा, तथा वर्षा की कोई संभावना नहीं है। वायुमंडल की ऊपरी सतह पर हल्की धुंध छाई रहने तथा सुबह व रात में हल्की ठंड रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान 24.0-27.0°C के मध्य रहेगा, जो सामान्य से 1-2°C अधिक रहने की संभावना है तथा न्यूनतम तापमान 8.0-11.0°C के मध्य रहेगा, जो सामान्य के आसपास रहने की संभावना है। सापेक्षिक आर्द्रता का अधिकतम व न्यूनतम स्तर 64-69% तथा 33-35% के मध्य रहेगा। हवा की दिशा उत्तर-पश्चिम रहेगी तथा गति 5.0-12.0 किमी/घंटा रहेगी, तथा गति 4-5 किमी/घंटा रहने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार सुबह और रात के समय हल्की ठंड की चेतावनी है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

किसानों को सूचित किया जाता है कि रबी की फसलों एवं सब्जियों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल है रबी के मौसम में बोई जाने वाली फसले जैसे - चना, मटर, मसूर, सरसों व अलसी आदि की बुवाई शीघ्र पूरा करने का

प्रयास करें।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे रबी की फसलें जैसे-गेहूँ, चना, सरसों एवं सब्जियों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल हैं। कीटनाशकों, रोगनाशी और खरपतवारनाशी रसायनों के लिए, केवल साफ पानी से उपकरणों को धोने के लिए उपयोग करें और हवा की विपरीत दिशा में खड़े होकर कीटनाशी, रोगनाशी और खरपतवारनाशी स्प्रे न करें। यदि संभव हो तो, छिड़काव करने के बाद, खाने से पहले और कपड़े धोने के बाद हाथों को साबुन से अच्छी तरह से धोना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे आलू की फसल को झुलसा रोग /शीत लहर से बचाव हेतु आवश्कतानुसार हल्की सिचाई करें तथा रबी फसलों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल हैं।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	समय से बोई गई गेहू की फसल में पहली सिंचाई बुवाई के 20-25 दिन बाद तथा ऊसर भूमि में बुवाई के 28-30 दिन बाद (ताजमहल अवस्था) पर हल्की सिंचाई अवश्य करे। गेहूं की फसल में यदि सकरी व चौड़ी पत्ती वाले, दोनों प्रकार के खरपतवार दिखाई दे तो इसके नियंत्रण हेतु सल्फोसल्फुरान 75% डब्लू पी ३३ ग्राम/हेक्टेयर या मैट्रीब्यूजिन 70 %डब्लू पी 250 ग्राम / हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। मौसम के दृष्टिगत सिंचित दशा में गेहूँ की बुवाई के लिए तापक्रम अनुकूल है, अतः गेहूं की बुवाई के लिए क्षेत्रीय प्रजाति पी.बी.डब्ल्यू.-723, एच.पी.बी.डब्ल्यू.-01, डी.बी.डब्ल्यू.-39, के.-9107, के.-1006, के.-402, के.-607, डी.बी.डब्ल्यू.-90, डब्ल्यू.बी.-02, एन.डब्ल्यू.-5054, एच.डी.-3043, यू.पी.-2382, एच.यू. डब्ल्यू.-468, पी.बी.डब्ल्यू.-443, एच.डी.- 2967 आदि, ऊसर भूमि के लिए संस्तुति प्रजाति :- के.आर.एल.-210, के.आर.एल.-213, के.-1317 आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई का कार्य उचित नमी पर करें।
रेपसीड	तोरिया की फसल में फलियां 75% सुनहरी दिखने पर फसल की कटाई करें।
सरसों	सरसों की फसल की बुवाई के 15-20 के अन्दर निराई - गुड़ाई करने के साथ ही पौध से पौध की आपसी दूरी 10 - 15 सेंटीमीटर कर लें। सरसों की फसल में पहली सिचाई बुवाई के 30 - 35 दिन के बाद करें तथा ओट आने पर 132 किलोग्राम/हेक्टयर की दर से यूरिया की टॉपड्रेसिंग करें। सरसों की फसल में आरा मक्खी और बालदार सुण्डी कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु इमामेक्टिन बेंजोएट 5 % एस जी 200 ग्राम /हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
फील्ड पी	मटर की फसल में निराई-गुड़ाई का कार्य बुवाई से 20-25 दिन के बाद करें।
चना	चने की फसल में कटुआ (कटवर्म) कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है इसके रोकथाम हेतु क्लोरपाइरीफोस 50% ईसी 2.0 लीटर/ हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।चना की फसल में निराई - गुड़ाई का कार्य बुवाई से 30-35 दिन के बाद करें। चना की देर से बोई जाने वाली संस्तुति प्रजातियॉ-पूसा-372,उदय,पन्त जी.-186 आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए छोटे दानो का बीज 75-80 किलोग्राम व बड़े दाने की प्रजाति के लिए 90-100 किलोग्राम बीज/हेक्टयर की दर से बुवाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	वातावरण में नमी बढ़ने/बादल छाये रहने और तापक्रम गिरने से आलू की फसल में झूलसा रोग का प्रकोप तेजी से फैलता है, इसके रोकथाम हेतु मैन्कोजैब/प्रोपीनेब/कार्बेडाजिम फफूंदनाशक दवा का रोग सुग्राही किस्मों में 2.0-2.5 किग्रा0 दवा 1000 ली0 पानी मे घोलकर तुरन्त छिड़काव करें। साथ ही साथ यह भी सलाह दी जाती कि जिन खेतो में बीमारी का प्रकोप हो चुका है उनमें किसी भी फफूंदनाशक-साइमोक्सानिल 8% + मैन्कोजेब 64% WP का 3 -4 ग्राम प्रति लीटर पानी अथवा मेटालैक्सिल 8% डब्ल्यू पी + मैंकोजेब 64% WP का 3 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर 10 -12 दिन के अन्तराल पर छिड़काव करें।
गोभी	एकीकृत कीट प्रबंधन के लिये गोभीवर्गीय फसलों में कर्ड/फूल बनने की अवस्था के समय नीम सीड करनेल एक्सट्रैक्ट 05 मि.ली./10 ली. पानी में मिलाकर 10 से 15 दिन के अंतराल पर छिड़काव करें। उचित मृदा नमीं की स्थिति में टमाटर की फसल में निराई-गुड़ाई एवं मिट्टी चढ़ाने का कार्य व पौधे की स्टेकिंग करें। फसल को झुलसा रोग से बचाने के लिये 0.2 प्रतिशत (2 ग्राम/ली.) की दर से मैन्कोजेब का छिड़काव करें। फसल को कीटों से बचाव हेतु ब्यूवेरिया वेसियाना (फफूंद) 3-5 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर या नीम आधारित कीट नाशकों का प्रयोग करें। मिर्च/टमाटर में सफेद मक्खी/थ्रीप्स से बचाव के लिए फिप्रोनिल/इमिडाक्लोप्रिड 1.0 मिली रसायन प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। बैगन की फसल में प्ररोह एवं फल छेदक कीट की रोकथाम के लिए ब्यूवेरिया वेसियाना (फफूंद) 3-5 ग्राम या फ्लूबेन्डामाइड 0.5-0.75 मिली रसायन प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर का छिड़काव करें।
आम	आम में शूट गाल मेकर एवं टैन्ट कैटरपिलर (जाला कीट) से प्रभावित शाखाओं की छँटाई कर उन्हें नष्ट कर दें तथा नियंत्रण हेतु लैम्बडासाइहलोथ्रिन 1.5-2.0 मिली0/ली0 पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। आम में यादि शाखाओं में डाइबैक रोग/गोंद निकलने की समस्या हो तो पौधों की जड़ों के पास 200-400 ग्रा. कॉपर सल्फेट प्रति वृक्ष की दर से प्रयोग करें तथा थायोफिनट मिथाइल 1 मिली रसायन प्रति लीटर पानी में घोलकर पर्णीय छिड़काव करें। केले में 50-60 ग्रा. यूरिया तथा 100-125 ग्रा. म्यूरेट ऑफ पोटाश प्रति पौधे की दर से प्रयोग करें तथा 10 दिनों के अन्तराल पर सिंचाई करें। अमरूद में छाल खाने वाली इल्ली की रोकथाम के लिए सबसे पहले पतले तार या साइकिल की तीली से सुराखों की सफाई करे, नियंत्रण हेतु डाईक्लोरवास दवा को रूई में भिगोकर सुराखों में भरकर गीली मिट्टी का लेप लगायें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	मौसम में परिवर्तन की संभावना को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे अपने पशुओं को रात के समय खुले में न बांधें तथा रात में खिड़कियों व दरवाजों पर जूट के बोरों के पर्दे लगाएं तथा दिन में धूप में पर्दे हटा दें। पशुओं को खुरपका-मुंहपका रोग से बचाव के लिए टीका लगवाएं। गाभिन भैंसों/ गाय को ढलान वाली जगह पर न बांधें। गाभिन भैंसों/गाय को पौष्टिक चारा व दाना खिलाएं तथा नवजात बच्चे को तीन दिन तक मिश्री अवश्य खिलाएं। राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत पशुओं में लम्पी त्वचा रोग का टीकाकरण पशुपालन विभाग द्वारा निःशुल्क कराया जा रहा है। अतः पशुपालक इसका लाभ उठायें। किलनी/जू के संक्रमण से बचाव हेतु पशुबाड़ों में चूने का छिड़काव करें ताकि किलनी/जू के अंडे व लार्वा नष्ट हो जाय। प्रजनन संबंधी समस्त रोगों के निराकरण हेतु पशुपालकों को सलाह दी जाती है कि हरा चारा, भूसा, पशु आहार के अतिरिक्त खनिज लवण अवश्य खिलायें। कृषकों/ पशुपालकों के द्वार पर पशुचिकित्सा उपलब्ध कराने हेतु विभाग के द्वारा मोबाइल वेटनरी यूनिट योजना योजना का लाभ लेने हेतु सभी कृषक/पशुपालक टोल फ्री हेल्पलाइन नं.-1962 पर सम्पर्क कर योजना का लाभ ले सकते हैं।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि मुर्गियों के रहने के स्थान पर प्रति दिन सफाई करे। मुर्गियों को स्वच्छ पानी तथा सन्तुलित आहार की व्यवस्था करें। मुर्गियों / चूजों को ठण्ड से बचाने हेतु पर्याप्त गर्मी की व्यवस्था करें। मुर्गियों / चूजों को पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था करें। कृमिनाशक दवा पिलायें। रानीखेत बीमारी से बचाव के लिए टीकाकरण कराये।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार सुबह और रात के समय हल्की ठंड की चेतावनी है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

किसानों को सूचित किया जाता है कि रबी की फसलों एवं सब्जियों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल है रबी के मौसम में बोई जाने वाली फसले जैसे - चना, मटर, मसूर, सरसों व अलसी आदि की बुवाई शीघ्र पूरा करने का प्रयास करें।

Farmers are advised to download Unified ﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details